हरिभूमि

# शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 5 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com



## खबर संक्षेप

### दिव्यांग कर्मचारी के वृत्तिकर छूट प्रमाण पत्र के लिए 31 जनवरी अंतिम तिथि

**मण्डला।** उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा इस विभाग की अधिसूचना, 30 मार्च 2015 के द्वारा दिव्यांगजन कर्मचारियों को वृत्तिकर में छूट पाने का लेख है। शासन के निर्देशानुसार सभी विभाग प्रमुख मार्च 2026 में दिव्यांगजन कर्मचारी के वृत्तिकर में छूट प्रावधानों के अंतर्गत कर्मचारी के आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, समग्र सदस्य आईडी एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यूडीआईडी) संलग्न कर 31 जनवरी 2026 तक इस कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि सम्बंधित को समय-सीमा में वृत्तिकर अंतर्गत छूट प्रमाण पत्र प्रदान किये जा सकें।

### संभाग में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान उपार्जन कार्य सुचारू रूप से जारी

**मण्डला।** संभाग के कुल 08 जिलों के 612 खरीदी केन्द्रों में धान उपार्जन कार्य शुरू हो गया है। अब तक कुल 2 लाख 50 हजार 888 किसानों ने अपनी उपज का विक्रय कर दिया है, जबकि 3 लाख 47 हजार 055 किसानों ने उपज विक्रय के लिए स्लॉट बुक कराया है। कुल 15 लाख 17 हजार 765.85 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है, जिसमें से 11 लाख 63 हजार 898.41 मीट्रिक टन का परिवहन कराया जा चुका है। 1 लाख 42 हजार 102 किसानों को 1961 करोड़ 39 लाख 96 हजार रुपये का भुगतान किया गया है। आरएम नागरिक आपूर्ति निगम श्रीमती साधना परस्ते ने बताया कि अवैध बिक्री को रोकने के लिए कलेक्टर के निर्देशन में निरीक्षक एवं उड़न दस्ता दलों के द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। संभागीय उपार्जन समिति के माध्यम से संभागीय कमिश्नर श्री धनंजय सिंह द्वारा सतत समीक्षा की जा रही है, ताकि धान खरीदी प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रहे।

### अनुदान सहायता राशि स्वीकृत

**मण्डला।** प्रेमलाल पिता देवलाल निवासी ग्राम मंगलगंज, तहसील नारायणगंज के 25 जून 2025 को अतिवृष्टि से बाढ़ आने के कारण रहवासी कच्चे मकान की खाद्यान्न सामग्री क्षतिग्रस्त तथा गौशाला गिरने से 2 नग बछड़ा, 3 नग भैंस के दबने से मृत्यु हो जाने के कारण अनुदान सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास के द्वारा गौशाला के 3 हजार रूपए, 2 बछड़ा के 40 हजार रूपए, 3 भैंस के 1 लाख 12 हजार 500 रूपए, इस प्रकार कुल 1 लाख 55 हजार 500 रूपए पीड़ित व्यक्ति प्रेमलाल पिता देवलाल के खाते में अनुदान सहायता की राशि प्रदाय की गई है।

## जिला अध्यापक संघ का विरोध प्रदर्शन लाया रंग, बीईओ बिछिया का बदला प्रभार

# आतमजीत सिंह बने बिछिया बीईओ

*** सहायक आयुक्त मण्डला ने जारी किया आदेश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

*जिले की शिक्षा व्यवस्था कुछ गिने-चुने चेहरों के आसपास ही संचालित होती दिखाई दे रही है यह ऐसे व्यक्तित्व है जो एक से ज्यादा प्रभार पर काम कर रहे हैं शायद शासन प्रशासन के पास ना तो वरिष्ठ व्याख्याता ना ही वरिष्ठ प्राचार्य ही उपलब्ध है और ना ऐसे वरिष्ठ शिक्षक जो इन दायित्व का पालन कर सकें एक बार जो व्यक्ति अपनी स्वेक्षा से एक से ज्यादा प्रभार होने के कारण बी ई ओ के पद पर काम न करने की इच्छा जाता चुके हैं उन्हें ही पुनः बी ई ओ के पद पर काम पर रखा जाना यही साबित करता है आतमजीत सिंह को उनकी इच्छा अनुसार बीईओ बिछिया के पद से 2020 में मुक्त कर दिया गया था अब दोबारा उन्हें क्यों इस पद पर काबिज किया गया यह एक बड़ा प्रश्न है जबकि उनके पास पहले से ही एकलव्य आवासीय विद्यालय एवं कन्या शिक्षा परिसर बिछिया का प्रभार है ऐसे में बी ई ओ का प्रभार भी इन्हें किस बात को ध्यान में रख कर दिया गया है।*

जिले में शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला शिक्षा केन्द्र के बीच चल रहा आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पद की लालसा में शासन के आदेशों एवं निर्देशों की खुलेआम अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थिति उस समय और गंभीर हो जाती है, जब शासन के नियमों का सख्ती से पालन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कुछ कर्मचारी लामबंद होकर आंदोलन का रास्ता अपनाते दिखाई दे रहे हैं। इससे शासन के निर्देशों के क्रियान्वयन में शिथिलता आ रही है, जो वर्तमान में मण्डला जिले में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

### बीईओ बिछिया पद बना विवाद की जड़

यदि बिछिया विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पद की बात करें, तो वर्तमान में पद पर आसीन अधिकारी द्वारा नियमविरुद्ध कार्यों पर विभागीय कार्यवाही की जा रही है। इससे असंतुष्ट कुछ कर्मचारियों द्वारा शिकायतों एवं विरोध का सिलसिला शुरू कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, कुछ व्यक्तियों की व्यक्तिगत पद-लालसा के चलते कर्मचारियों को संगठित किया जा रहा है, जिसकी निष्पक्ष एवं सूक्ष्म जांच की आवश्यकता बताई जा रही है।

### पूर्व आदेश और तथ्य

गौरतलब है कि तत्कालीन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बिछिया आत्मजीत सिंह द्वारा दिनांक 27 जनवरी 2020 को प्रस्तुत आवेदन में यह उल्लेख किया गया था कि आयुक्त, आदिवासी विकास मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा 23 जनवरी 2020 को आयोजित समीक्षा बैठक में एक ही पद पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे।

उस समय आत्मजीत सिंह के पास बीईओ बिछिया के साथ-साथ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सिझौरा एवं कन्या शिक्षा परिसर बिछिया का अतिरिक्त प्रभार था, जिससे शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। इसी आधार पर उन्होंने स्वयं बीईओ बिछिया के प्रभार से मुक्त किए जाने का अनुरोध किया था।

### आयुक्त के निर्देश पर हुआ था प्रभार परिवर्तन

आयुक्त, आदिवासी विकास मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार प्रशासनिक दृष्टिकोण से बीईओ बिछिया का प्रभार तत्काल प्रभाव से श्रवणकुमार जाटव, प्राचार्य, शासकीय हाई स्कूल सिलपुरा, विकासखण्ड मण्डला को आगामी आदेश तक सौंपा गया था। साथ ही आत्मजीत सिंह को सम्पूर्ण वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रभार सौंपने के निर्देश भी जारी किए गए थे।

### फिर वही नाम चर्चा में

अब जिले में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या विभाग एक बार फिर आत्मजीत सिंह को बीईओ बिछिया नियुक्त करने की तैयारी कर रहा है, जबकि पूर्व में उन्होंने स्वयं अतिरिक्त प्रभार के चलते इस पद से हटने का अनुरोध किया था। वर्तमान में भी उनके पास पीएमश्री सिझौरा एवं कन्या शिक्षा परिसर बिछिया का प्रभार बताया जा रहा है।

### प्रशासनिक निर्णय पर टिकी निगाहें

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या पुराने आदेशों और शासन के स्पष्ट निर्देशों को दरकिनार कर पुनः वही व्यवस्था लागू की जाएगी, या फिर प्रशासन पूर्व आदेशों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शी एवं नियमसम्मत निर्णय लेगा। जिले की शिक्षा व्यवस्था के हित में अब सभी की निगाहें विभागीय निर्णय पर टिकी हुई हैं।

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास), मण्डला

"आदेश"

( कलेक्टर महोदय मण्डला द्वारा अनुमोदित )

### प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों के विक्रय के लिए संभाग के सभी जिलों की 35 मंडियों में स्थान चिन्हांकित

**मण्डला।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अक्टूबर माह में हुई बैठक के निर्णयों के अनुसार, आगामी वर्षों में प्राकृतिक खेती अपनाने वाले कृषकों को कृषि आदान तैयार करने में बड़ी सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत संभाग में क्लस्टरों के माध्यम से किसानों को तकनीकी जानकारी और प्राकृतिक खाद व दवाइयां बनाने की विधियां सिखाई जा रही हैं। सरकार की ओर से कृषि सखियों और बीआरसी के माध्यम से कम से कम एक एकड़ पर प्राकृतिक खेती शुरू करने के लिए प्रथम वर्ष में चार हजार रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी ताकि किसान अपने पूरे रकबे को इस पद्धति में बदलने के लिए प्रेरित हो सकें। संयुक्त संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि प्राकृतिक खेती की इस मुहिम में कृषि सखियां अपने क्लस्टर की धुरी के रूप में कार्य करेंगी और अन्य किसानों को प्रशिक्षित करेंगी। किसानों को बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, दशपर्णी अर्क और विभिन्न जैव रसायनों जैसे प्राकृतिक आदानों को तैयार करने और उनके उपयोग की उचित प्रथाओं के बारे में बताया जाएगा। इसके साथ ही खेती की उन्नत पद्धतियों जैसे न्यूनतम जुताई, उचित जल प्रबंधन, सहयोगी फसलों का चयन और देशी बीजों के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। इन उत्पादों के प्रमाणीकरण के लिए मध्य प्रदेश शासन ने क्षेत्रीय परिषदों की नियुक्ति की है।

## कलेक्टर ने किया बारीकी से सड़क का निरीक्षण

*** प्योर ब्लॉक लगाने के साथ ही बालू की फिलिंग कराने के दिये निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने महाराजपुर की मुख्य सड़क का अवलोकन किया। यहाँ उन्होंने सड़क निर्माण के साथ-साथ साइड फिलिंग और प्योर ब्लॉक लगाने के कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण में उपयोग की जा रही सामाग्री को सड़क से हटाना सुनिश्चित कराएं। प्योर ब्लॉक लगाने के साथ ही बालू की फिलिंग कराएं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने एसडीएम मण्डला एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि सड़क किनारे लगाए जा रहे प्योर ब्लॉक पद यात्रियों के लिए हैं, इन पर किसी तरह की दुकानें न लगने पाएं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण श्री सचिन जैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री गजानन नाफड़े सहित संबंधित मौजूद रहे।

## महिलाओं ने सीखा सब्जी की खेती और नर्सरी प्रबंधन

**मण्डला।** सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान (सेंट आर सेटी) मंडला द्वारा जिला आजीविका मिशन के तहत ग्राम पलेहरा ब्लॉक मोहगांव में 12 दिवसीय सब्जी की खेती और नर्सरी प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर आयोजित समापन कार्यक्रम में ब्लॉक मैनेजर मुकेश नंदा, नीरज द्विवेदी, निदेशक राजेश कुमार राय, के.के. अवस्थी, यश मोहन उसराठे, अमित यादव उपस्थित रहे। निदेशक राजेश कुमार राय ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। इस तरह के प्रशिक्षण उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर प्रदान करते हैं। सब्जी की खेती और नर्सरी प्रबंधन जैसे कार्य महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने का सशक्त माध्यम देते हैं। आरसेटी मंडला द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना एवं आत्मनिर्भर बनाना रहा।

## सरगम कॉलोनी में आयोजित शिव पुराण में भक्तों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

शिव महापुराण हिन्दु धर्म के अठारह प्रमुख पुराणों में से एक है जो कि मुख्य रूप से भगवान शिव और देवी पार्वती पर केन्दित है जिसमें उनके विभिन्न रूपों, ज्योतिर्लिंग, ज्ञान, महिमा, पूजा पद्धति, शिक्षा प्रद कथाओं का विस्तार से वर्णन है जो शिव मत से सम्बंधित है और शिव की सर्वोच्च सत्ता, करूणा और सृष्टि का आधार के रूप में व्याख्या करता है तथा इसके अध्ययन और शिव महापुराण कथा सुनने मात्र से सुख समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति मानी जाती है। नगर के वार्ड क्रमांक तीन सरगम कालोनी में आपके विशिष्ट सहयोग से बरगी जबलपुर से आये कथावाचक पंडित रामगोपाल जी उपाध्याय के मुखारविंद से कथा के पांचवे दिवस की कथा में दैवौ के दैव महादेव भगवान की शिव पुराण की कथा सरल भाषा अविरल बह रही है जिसको ग्रहण करने क्षेत्र के सैकड़ों भक्त, मातृ शक्ति का सैलाब उमड़ रहा है शिव पूराण कथा 30 दि सबर से 8 जनवरी तक आयोजित है।

**दौरा** | **मकर संक्रान्ति मेला से पहले बुनियादी व्यवस्थाएं करें-कलेक्टर।**

# संगम घाट पहुंचे मण्डला कलेक्टर

*** घाट में व्याप्त गंदगी को हटाने दिये निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने महाराजपुर संगम घाट पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी मकर संक्रान्ति मेला में श्रृद्धालु बड़ी संख्या में संगम घाट पहुँचते हैं। मण्डला के अलावा अन्य जिलों के लोग भी यहाँ आकर दर्शन-पूजन करते हैं, इसलिए संक्रान्ति मेला से पहले साफ-सफाई, सुरक्षा तथा पेयजल जैसी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संगम-पुरवा पुल निर्माण एजेंसी के प्रबंधक को निर्देशित किया कि पुल निर्माण के दौरान एकत्र मलबा हटवाएं। सीएमओ नगर पालिका को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि संगम घाट पर स्नान क्षेत्र की मार्किंग कराएं और आवश्यकता अनुसार मेला स्थल और घाट पर बेरिकेटिंग करें। उन्होंने संगम तट पर गंदगी देखकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यहाँ तत्काल सफाई कर्मचारियों की टीमें लगाकर सफाई सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर ने परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण को संक्रान्ति तक प्रतिदिन दो बार मेला स्थल और संगम तक के निरीक्षण करने के लिए कहा। बूढ़ी माई मंदिर परिसर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अव्यवस्थित रेहड़ी लगाए जाने पर परिसर को खाली करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेले और रेहड़ी वालों को एक ओर शिफ्ट कराएं ताकि श्रृद्धालुओं को परेशानी न हो। इस दौरान एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण सचिन जैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री गजानन नाफड़े सहित संबंधित मौजूद रहे।

## क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसंबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस०ओ० 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स सुमेधा मिनरल, संचालक श्रीमति सुमन अग्रवाल, डोलोमाईट माईन, खसरा नं. 102, 103 104 एवं 106 ग्राम भँवरताल, तहसील बिछिया, जिला मण्डला, लीज क्षेत्रफल 4.45 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता आर०ओ०एम०-55432 टन प्रतिवर्ष (डोलोमाईट-46746 टन प्रतिवर्ष, सॉयल-5942 टन प्रतिवर्ष, वेस्ट-2,744 टन प्रतिवर्ष) हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुकम मे लोक सुनवाई कराने हेतु म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर मण्डला (2) कार्यालय जिला पंचायत, मण्डला, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मण्डला, (4) ग्राम पंचाय ग्राम, मटियाटोला, तहसील नैनपुर, जिला मण्डला (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड कमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं 455/456 विजयनगर जबलपुर मे कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड **www.mppcb.nic.in** पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म०प्र०) के कार्यालय मे मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 11/02/2026 दिन बुधवार को दोपहर 2:30 बजे मेसर्स सुमेधा मिनरल, संचालक श्रीमति सुमन अग्रवाल, डोलोमाईट माईन, ग्राम भँवरताल, तहसील बिछिया, जिला मण्डला के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

## क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसंबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस०ओ० 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स गणपति मिनरल्स, संचालक श्री शोभाकांत झा डोलोमाईट माईन, खसरा नं0 12, ग्राम भँवरताल, तहसील बिछिया, जिला मण्डला, लीज क्षेत्रफल 4.41 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता, आर0ओ0एम-55838 टन प्रतिवर्ष (डोलोमाईट 41.952 टन प्रतिवर्ष, सॉयल 12,718 टन प्रतिवर्ष, वेस्ट- 1.168 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर मण्डला (2) कार्यालय जिला पंचायत, मण्डला, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मण्डला, (4) ग्राम पंचायत ग्राम भँवरताल, तहसील बिछिया, जिला मण्डला, (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड कमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं 455/456 विजयनगर जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड **www.mppcb.nic.in** पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म०प्र०) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 11/02/2025 दिन बुधवार को दोपहर 04:00 बजे मेसर्स गणपति मिनरल्स, संचालक श्री शोभाकांत झा डोलोमाईट माईन, ग्राम भँवरताल, तहसील बिछिया, जिला मण्डला के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका / टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

## खबर संक्षेप

### शिक्षक समूह ने कर्तव्य दिवस पर बच्चों को वितरण किये गर्म कपड़े

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। देश की प्रथम महिला शिक्षक श्रीमती सावित्री बाई फुले जयंती एवं कर्तव्य दिवस पर शिक्षक संदर्भ समूह द्वारा शनिवार को शहर से दूर वनाँचल ग्राम पीपला में पहुंचकर बच्चों को गर्मा कपड़े सहित खेल सामग्री व फल वितरण किये गये। इस दौरान सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे ने कहा कि कड़ाके की ठण्ड में जरूरत मंद बच्चों को गर्म कपड़े भेंट करने से प्रसन्नता का अनुभव होता है। शिक्षक संदर्भ समूह के माध्यम से बच्चों को गर्म वस्त्रों को प्रदान करने का यह अभियान ग्राम पाली से प्रारम्भ होकर भटेरा, टिमरावन, पतलोन, इमलिया, झांझनखेड़ा,संसारखेड़ा, शुगर मिल स्कूल, जामगांव होते हुए पीपला तक आ पहुंचा है। इस अवसर पर शिक्षक संदर्भ समूह के जिला समन्वयक सिद्धिकी के आलवा लिपिक अमित पटैल, किरण अग्रवाल के आलवा अन्य लोग मौजूद रहे।

### फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र मे इन दिनो फर्जी डिग्रीधारी, डॉक्टर अनपढ़ लोगो को दवाइयों के नाम पर लूट खसोट करने मे कोई कोर कसर बाकी नही रखते है? जबकि अंचल में पड़ोसी राज्यो के फर्जी डॉक्टरों द्वारा दवाई करने के नाम पर डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, कलकत्ता,उड़ीसा आदि राज्यों सें आकर लोग डॉक्टरी पेशे को कमाई का जरिया बनाये हुए है और जो लोगों को दवाइयां करने के नाम पर ठगने मे कोई कोताही नही बरतते है? इतना ही नही मर्ज कितना भी जटिल क्यो न हो ये डॉक्टर दवाई करने से नही चूकते है, मजेदार बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इनसे दवाई करवाने क्षेत्र से अधिकांशतः अनपढ़ लोग आते है। जिसका फायदा ये चिकित्सक आराम से उठा रहे है,बकायदा अपने डिस्पेंशरी मे साइन बोर्ड लगाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है, इतना ही नही वोर्ड मे कई देशी व विदेशी संस्थानों से डिग्री पास करने का उल्लेख करते है जबकि हकीकत कुछ और ही है,इनमे अधिकांशतः पांचवी पास भी नही है। लेकिन उपचार के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाने मे माहिर है,इनमे दवा कराने के बाद लोगों को गंभी अवस्था मे चिकित्सालय लाया जाता है जिसमें गरीबों का पैसा और स्वास्थ्य दोनो का नुकसान हो चुका होता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग इन पर कार्रवाई करने से परहेज कर रहा है।

### सांझा चूल्हा कार्यक्रम ने गांवों में तोड़ा दम, अधिकारियों को जांच करने के लिए नहीं है समय

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। मगर अब वह शहरी क्षेत्र को छोड़कर गांवों में औपचारिकता बन कर रहते हुये जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि क्षेत्र के कई गाँवों में इस योजना ने दम तोड दिया है? गांवों में जाकर देखा जावे तो वहां पर न तो मीनू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है और न ही साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है। जबकि देखा जावे तो सरकार ने ग्रामीण स्कूलों के बच्चों और महिला एवं बाल विकास विभाग की आँगनवाड़ियो के बच्चों के लिए एक ही चूल्हे पर ताजा और पौष्टिक आहार देने की योजना को लागू तो किया गया है। किन्तु योजना का समुचित लाभ बच्चों को नही मिलते हुए नजर नही आ रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के सफल कार्यान्वयन में ग्रामीणों की उदासीनता भी चिंता का विषय बन गई है? वही दूसरी ओर पंचायतों के सरपंच और सचिव भी अपने कर्तव्य निर्वहन के प्रति जागरूकता के साथ नजर नही आ रहे है? वही स्कूली बच्चों के लिए दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन को लेकर भी ग्रामीणों को शिकायत है।

# खेतों में फसल के बीच मौसम के मिजाज ने अन्नदाता के चेहरे पर खींची परेशानी की लकीरें, तैयार हो रही फसलों में इल्ली सहित अन्य की बीमारिया लगने सता रही चिंता

हरिभूमि न्यूज/खुलरी।

क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये रात दिन एक करते हुये मेहनत करने में जुटा हुआ है। मगर इस समय जिस तरह मौसम का मिजाज देखने मिल रहा है वह अन्नदाता को चिंता में डालने से नही चूक रहा है। क्योंकि तेज ठंड के साथ आसमान पर छाने वाले बादलों ने निश्चित तौर से किसानों की नींद गायब कर दी गई। यदि बारिश होती है तो गन्ना कटाई सहित किसानों के अन्य प्रकार के कार्य प्रभावित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। क्योंकि आसमान पर छाने वाले बादलों से यह अनुमान लगने से चूक पा रहा है कि शायद प्रकृति की मार माटी पुत्रों का पीछा नही छोडेगी..? क्योंकि इस समय गौर किया जावे तो किसानों को जरूरत के हिसाब से यूरिया नही मिलने के चलते अधिकांश किसानों के खेतों में गेंहू की बोनी चलते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर जिन किसानों ने चना की बोनी कर दी गई वह जमीन से ऊँगते हुये हरियानी फैलाने की ओर अग्रसर होते जा रहे है। मगर आसमान पर छाने वाले वादलों ने निश्चित तौर से किसानों को चिंता में डाल दिया गया है। अन्नदाता की नजरे आसमान पर टिकने के साथ उनकी रातों की नींद गायब होने से नही चूक पा रही है। क्योंकि बन बिगड़ रहे मौसम के चलते किसानों के खेतों में तैयार हो रही फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ने की संभावना पैदा होने लगी है। इसी बीच यदि बारिश का दौर शुरू होता है तो निश्चित तौर से किसानों की बोनी सहित गन्ने की कटाई का कार्य प्रभावित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। गौर किया जावे तो अधिकांश किसान अपने खेतों में गुड़ बनाने का कार्य कर रहे है तो दूसरी ओर क्षेत्र में गुण बनाने के लिये भट्टी संचालित हो रही है। यदि बारिश होती है तो निश्चित तौर से गुड़ बनना बंद हो जावेगा। क्योंकि बारिश के चलते गुड़ भट्टी में उपयोग होने वाला इंधन गीला होने के कारण उसे सुखाने के लिये कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। इस स्थिति में अनेक किसानों की सोच रहती है कि वह अपने गन्ने की कटाई शीघ्रता से करते हुये उस खेत में दूसरी फसल की बोनी कर देगा। मगर यदि बारिश हो जाती है तो निश्चित किसानों द्वारा संजोये गये सपने धूमित होने से नही चूकेगे और खेती का संपूर्ण कामकाज प्रभावित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वही दूसरी ओर आसमान पर बादलों का डेरा रहने से जहां फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है। इस स्थिति में किसानों को अपनी फसलों को बचाने के लिये अनेक प्रकार के कीट नाशक दबाईयों को उपयोग करना पड़ेगा जिससे आर्थिक बोझ बढेगा। इस समय देखा जावे तो खेतों में बोई गये चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों के कारण संपूर्ण प्रकृति हरियाली से सराबोर हो रही है उसे लूटने में देर नही लगेगी। अन्नदाता की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पड़ रही ठंड के बीच क्षेत्र का अन्नदाता अपने खेतों में डेरा जमाये हुये हरियाली फैला रही फसलों को सुरक्षित रखने के लिये रातदिन लगा

हुआ देखा जा रहा है। जंगली जानवरों के लिये सुरक्षित माने जाने वाले स्थानों पर उद्योग स्थापित होने के चलते लगातार जंगल क्षेत्रों में बढ़ रहे शोरगुल के चलते जंगली जानवार गांवों की ओर रूख करते हुये किसानों की फसलों को क्षति पहुंचाते हुये देखे जा रहे है। इसी के चलते किसानों का ढेरा जहां खेतों में जमा हुआ है। किसी तरह अन्नदाता अपनी फसलों को जंगली जानवारी से पेहरा देते तो बचा लेगा। मगर प्रकृति की मार उन्हें बेहाल करने में कोई कसर नही छोड़ेगी...? इस संबंध में जब हमारी टीम ने क्षेत्र के किसानों से चर्चा की गई तो ग्राम महगंवा निवासी युवा कृषक शैलेन्द्र कौरव के अनुसार निश्चित तौर से सभी प्रकार की परेशानियाँ किसानों के खाते में ही रहती है। अपने खेतों में बोनी करने के लिये खाद के लिये भटकना पड़ता है तो अब मौसम के मिजाज ने किसानों को चिंता में डाल दिया है। इसी प्रकार से ग्राम भौरझिर निवासी कृषक तुलसीराम राठौर का कहना है कि ठंड का मौसम स्वास्थ्य और फसलो के लिए बेहतर माना जाता है। मगर आसमान में लगातार छाने वाले बादलों के कारण इस वर्ष फसलों के लिये काफी दुख दायी साबित हो रहा है। क्योंकि बादलों के रहने से फसलें अनेक प्रकार की बीमारियों की गिरप्त में आने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वही युवा कृषक चौधरी ब्रजेश सिंह कौरव का कहना है कि पिछले रबी, खरीफ फसल सीजन में प्राकृतिक आपदा से क्षेत्र के किसानो की फसलों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। मगर जैसे तैसे साधनों की व्यवस्था कर किसानों ने सही समय पर रबी फसलों की बोवनी की थी और कुछ किसानों की अभी समय पर खाद नही मिल पाने के कारण बोनी का कार्य चल रहा है। मगर मौसम के बनते विगड़ते मिजाज ने चिंता में डाल दिया गया है। वही ग्राम बांसखेडा निवासी युवा कृषक महेश पटैल का कहना है कि क्षेत्र का किसान अन्य मुश्किलों के प्रहार तो किसी तरह झेल लेता है। मगर प्रकृति की मार अन्नदाता के लिये बेहाल करने से नही चूकती है। चंद मिनिटों के अंदर ही किसानों के खेतों में लहलहाती हुई फसलों को बर्बाद होते हुये देखा है। लग रहा था कि शायद इस साल मौसम साथ देगा। मगर अभी से जो मिजाज दिखाई देना शुरू हुआ है वह निश्चित ही माटी पुत्रों को चिंता में डालते हुये जान पड़ने से नही चूक रहा है।

# सड़कों के किनारे लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण के चलते बन रही दुर्घटनाओं की संभावनाएं, प्रशासन अनजान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय नगर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण की सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि नगर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिसे जहां मर्जी हो रही है वहां पर अपना कब्जा जमाने से नही चूक रहा है, इस प्रकार से नगर की मुख्य माने जाने वाली सड़कों के किनारे लोगों द्वारा अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये किये जाने वाला अतिक्रमण आम लोगों की जिन्दगी के लिये पूर्ण रूप से खतरा साबित होने से नही चूक रहा है, मगर इस सच्चाई को जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है वह चिंता जनक सच्चाई उजागर करने से नही चूक पा रहा है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के प्रमुख माने जाने वाले वायपास मार्ग पर रिलांइस पेट्रोल पंप के पास देखा जा रहा है। जहां पर बताया जाता है कि किसी पंचर सुधारने वाले व्यक्ति

द्वारा किया गया अतिक्रमण निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना को अंजाम देने से नही चूक पायेगा? क्योंकि जिस जगह यह अतिक्रमण करते हुये दुकान बनाई गई है। उसी जगह वाहनों की आवाजाही के लिये प्रमुख स्थल इसलिये मानी जाती है कि जो वाहन कौड़िया की ओर से आता है वह घाट होने के कारण तेज गति से दौड़ते हुये आने से नही चूकता है। वही दूसरी ओर पेट्रोल पंप से जब कोई वाहन डीजल या पेट्रोल लेकर जब कौड़िया की ओर जाता है तो इस अतिक्रमण के चलते सामने से आने वाला वाहन उस समय तक दिखाई नही पड़ता है जब तक वह मुख्य मार्ग पर नही पहुंच जाता है और मुख्य मार्ग पर पहुंचते ही जब दूसरी ओर से तेज गति से आने वाले वाहन आमने सामने होते है तो वाहन को रोक पाना मुश्किल होने से नही चूकता है..? वही दूसरी ओर जब इस दुकान पर कोई व्यक्ति पंचर जुडवाने या फिर हवा भरवाने के लिये रूकता है तो उसे भी मुख्य सड़क पर ही अपना वाहन खड़ा करना पड़ता है। इस स्थिति के चलते निश्चित ही यहां पर हुआ अतिक्रमण किसी दिन कोई बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? मगर इस सच्चाई को प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते यह जान पड़ने से नही चूक पा रहा है कि शायद प्रशासन में बैठे हुये अधिकारी ही किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हो?

# आज भी सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव भी वंचित है पक्की सड़क से, कच्चे रास्ते के गुजरने के लिए हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गॉव गॉव सड़को का जाल विछा दिया हो परन्तु विकासखंड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गॉव आज भी पक्की सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाइ्र पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्की सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूभर हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान

महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य जैंसी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की बस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये साईंखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशाानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है, वही स्थिति तो गंभीर उस समय देखी जाते है तब गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने की जरूरत पड़ जाती है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से वे सड़क का सपना संजोये बैठे हैं कि उनके ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनेगी परन्तु उनका सपना आज भी पूरा नही हो पाया है, जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि लगभग एक हजार की आवादी बाले क्षेत्र के ग्राम में पक्की सड़क की सुविधा न होने से विद्यार्थियों के साथ ग्रामीणों को रोड तक आने में दिक्कतों का सामना करते है, ग्रामीण की मांग है कि जल्द ही गॉव को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाये।

# सांईधाम मंदिर समिति के मेडिकल कैम्प में मिला 102 मरीजों को लाभ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव में साई धाम मंदिर समिति के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है को चरितार्थ करते हुये। हर माह के प्रथम रविवार को निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी के चलते नये साल व जनवरी माह के पहले रविवार को आयोजित किये गये इस शिविर में 102 मरीजों को लाभ मिला। बताया जाता है कि साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में आयोजित 77 वें कैम्प में 3 शहरों के साथ साथ 21 गावों मरीज पहुंचे हुये थें। इस शिविर में मौजूद रहे महिला रोग विशेषज्ञ डाक्टर स्वाती कुरचानिया, डाक्टर संजय मोदी, शिशु रोग विशेषज्ञ डा. अरूण दोहरे, डाक्टर दुर्गेश पटेल, डाक्टर करूणा मालवीय, डाक्टर आंनद जयसबाल के आलवा सहयोगी के रूप में राहुल गिरी गोस्वामी, नीलेश कुशवाहा, प्रशात सोनी शामिल रहे। वही बताया जाता है कि शिविर में साई धाम मंदिर सेवा समिति कान्हरगांव के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान की गई। आयोजित इस मेडीकल कैम्प में बरेली, उदयपुरा, नरसिंहपुर, सालेचौका, महलबाड़ा, थलबाड़ा, बारहा बड़ा, चीचली, करेली, बोदरी, रमपुरा, महगवां, सिगपुर, सालेचौका, महगवा कला, कान्हरगाव सहित अनेक गावों के मरीजों ने पहुंचकर अपना उपचार कराया गया।

# रात के समय सिंगल लाईट के भरोसे दौड़ने वाली चार पहिया वाहनों से बन रही दुर्घटनाओं की आशंका...?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियांत्रित गति से वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है,जिसकी जीतीजागती मिसाल इन दिनों ग्राम खुलरी में देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में ग्राम की सड़कों पर दो पाहिया,चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है, हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर चार पहिया काने वाहनो को रात के समय टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहुँचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है। बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देते हुये देखी जाती

है? जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है, यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा करते हुए कहा कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनो का दौड़ाया जाना खतरनाक साबित हो रहा है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों के सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गाति वाले वाहन चलते है तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने यानि की रात के समय वह बड़े वाहन जिनका एक लाईट ही जलता है इस प्रकार के वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नही है, इन वाहनों से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है, वाहनो की धमाचौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है, बच्चो की नासमझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है, वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से इवनिंक बाईक पर निकले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है, अक्सर देखा जाता है कि वाहन चालको को पुलिस का खौफ नहीं रह गया है, इसी का कारण है कि सड़को पर काने वाहन बेरोकटोक दौड़ रहे है, पुलिस द्वारा यादि यातायात व्यवस्था में सुधार अभी नहीं किया गया तो आशंका है कि आने वाले समय में अनचाही सड़क दुर्घटनाएँ घटित हो सकती है?

# गांवों में लकड़ी के खम्बों के भरोसे चल रही बिजली लाईनों से बन रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर होना पड़ता है..?

कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर लकड़ी के खम्बा लगाते हुए व्यवसथा बनाई गई है जिसके चलते क्षेत्र की बिजली सिर्फ लकड़ी के खम्बों भरोसे चलते हुए जान पड़ रही है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि किसानों के लिए बनी हुई सार्वजनिक रास्ते के ऊपर बिजली तार इस प्रकार से झूलते हुए नजर आ रहे है कि उन तारों से कभी भी कोई वाहन टकरा सकता है, इस बात की जानकारी बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों को होने के बाद भी किसी भी प्रकार का सुधार नही किये जाने से इस बात का अंदेशा लग रहा है कि शायद बिजली विभगा के अधिकारी क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार कर रहे है?

## खबर संक्षेप

### विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

**डिंडौरी।** रविवार को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन को मजबूत करने को लेकर अहम निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से श्री विकास परमार जी को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का जिला संयोजक नियुक्त किया गया।विकास परमार की नियुक्ति की घोषणा होते ही संगठन के कार्यकर्ताओं में हर्ष और उत्साह का माहौल बन गया। उनकी कार्यशैली, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए पदाधिकारियों ने उन पर विश्वास जताया है।नियुक्ति की जानकारी मिलते ही उनके चाहने वालों एवं समर्थकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से तथा प्रत्यक्ष रूप से मिलकर उन्हें बधाइयाँ एवं शुभकामनाएं दीं। जिलेभर में कार्यकर्ताओं और युवाओं में खासा उत्साह देखा गया।बैठक में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि श्री परमार के नेतृत्व में संगठन की गतिविधियों को और गति मिलेगी तथा समाजहित और राष्ट्रहित के कार्यों को मजबूती प्रदान होगी। इस अवसर पर संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई।

### जिला चिकित्सालय डिंडौरी में प्रभार परिवर्तन, कलेक्टर के आदेश पर नई नियुक्ति

**डिंडौरी।** जिला चिकित्सालय डिंडौरी में प्रशासनिक कार्यों की सुविधा और स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने प्रभार परिवर्तन के आदेश जारी किए हैं।जारी आदेश के अनुसार अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. अजय राज द्वारा 27 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत आवेदन के आधार पर उन्हें सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के प्रभार से तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया गया है।इसके साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था और चिकित्सकीय सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित रखने के उद्देश्य से शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश सिंह मरावी को आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय डिंडौरी का संपूर्ण प्रभार सौंपा गया है।कलेक्टर द्वारा जारी इस आदेश से जिला चिकित्सालय में प्रशासनिक कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी संचालन की उम्मीद जताई जा रही है।

### महिला एवं बाल विकास विभाग में अनुशासनहीनता, सहायक ग्रेड-3 को सस्पेंड

**डिंडौरी ।** महिला एवं बाल विकास कार्यालय, मेहंदवानी में अनुशासनहीनता के गंभीर आरोपों के चलते अब्दुल रफीक खान, सहायक ग्रेड-3 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, खान पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति आदेश वितरण और मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद/स पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता वसूलने में अनियमितता करने का आरोप है।परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास मेहंदवानी ने पहले श्री खान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उनके जवाब को संतोषप्रद नहीं पाए जाने के बाद, विभाग ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के तहत उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की।कलेक्टर डिण्डौरी के आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि में खान का मुख्यालय परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास डिण्डौरी होगा। इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता मिलता रहेगा।आदेश की प्रतिलिपि आयुक्त महिला एवं बाल विकास भोपाल, कमिश्नर जबलपुर संभाग, संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास जबलपुर संभाग और संबंधित परियोजना अधिकारियों को सूचनार्थ भेजी गई है।कलेक्टर कार्यालय ने इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया है।

# छेरछेरा लोकपर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया, अन्नदान से गूंजा गोरखपुर कस्बा

**डिंडौरी।**

गोरखपुर कस्बा एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में किसानों के लोकपर्व छेरछेरा (छेरता) को शनिवार को पारंपरिक रीति-रिवाज और उत्साह के साथ मनाया गया। पौष पूर्णिमा के अवसर पर सुबह से ही बच्चों, युवाओं और युवतियों की टोलियां हाथों में टोकरी, बोरी और बर्तन लेकर घर-घर निकलीं। “छेरता कोठी के धान, हेरता” की लोकधुन के साथ अन्नदान की मांग की गई, जिससे पूरा गांव गूंज उठा लोकपर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने अपने-अपने घरों से धान, चावल, अनाज के साथ-साथ नगद राशि भी दान स्वरूप प्रदान की। बच्चों और युवाओं की टोली ने परंपरागत वेशभूषा में पूरे गांव का भ्रमण किया, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं द्वारा डंडा नृत्य का आकर्षक प्रदर्शन भी किया गया, जिसने पर्व की रौनक और बढ़ा दी।

### गांव के बाहर बना सामूहिक प्रसाद

छेरछेरा पर्व के दौरान दान में प्राप्त अनाज को सभी टोलियों द्वारा गांव के बाहर एकांत स्थान पर ले जाकर खिचड़ी और खीर बनाई गई। इसके बाद इसे प्रसाद के रूप में ग्रामीणों में वितरित किया गया। कई घरों में आलू चॉप, भजिया सहित पारंपरिक व्यंजन भी बनाए गए। पर्व के चलते किसानों ने पूरे दिन खेती-किसानी का कार्य बंद रखकर इस लोकउत्सव को समर्पित किया।

### वैवाहिक कार्यक्रमों की होती है शुरुआत

ग्राम के ब्रजेश कुशराम ने बताया कि छेरछेरा पर्व बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। वहीं पंडित महेश महाराज ने पर्व के धार्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पौष पूर्णिमा के दिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद माघ माह से वैवाहिक कार्यक्रमों की शुरुआत होती है। पौष माह में मान्यतानुसार विवाह जैसे शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं, इसलिए यह पर्व सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

### छेरछेरा से जुड़ी मान्यताएं

छेरछेरा मुख्यतः किसानों का पर्व है, जो फसलों की कटाई और नई उपज से जुड़ा हुआ है। धान की फसल पकने और कोठी में अनाज भरने के बाद उसका कुछ हिस्सा दान में देने की प्राचीन परंपरा रही है। पूर्वजों की मान्यता है कि अन्नदान करने से घर में कभी अनाज की कमी नहीं होती। प्राचीन काल में रुपए-पैसे के स्थान पर धान का दान किया जाता था, जिसकी परंपरा आज भी किसी न किसी रूप में जीवित है।इस पर्व का इतिहास भी रोचक माना जाता है। कहीं इसे राजाओं की कथाओं से जोड़ा जाता है, तो कहीं अकाल से बचाव या देवी-देवताओं के चमत्कार से। अलग-अलग क्षेत्रों में यह पर्व अलग नामों से मनाया जाता है, लेकिन उद्देश्य एक ही है—स्नेह, भाईचारा और सामूहिकता को मजबूत करना। सामाजिक समरसता का प्रतीक छेरछेरा पर्व के दौरान सभी वर्गों के लोग बिना भेदभाव के एक साथ भोजन करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। इससे समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना प्रबल होती है। मान्यताओं और परंपराओं के साथ यह लोकपर्व आज भी ग्रामीण जीवन में हर्षोल्लास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बना हुआ है।

## सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को पुलिस व्यवस्था की दी गई जानकारी

**डिंडौरी।**रविवार को सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों का यातायात थाना, महिला थाना एवं कोतवाली थाना का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली, दायित्वों तथा जनहित में दी जाने वाली सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों द्वारा बच्चों को यातायात नियमों की उपयोगिता, सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, आपातकालीन सेवाओं एवं पुलिस के दैनिक कार्यों के बारे में सरल एवं व्यावहारिक रूप से समझाया गया। बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अधिकारियों ने सहजता से उत्तर दिया तथा उन्हें कानून के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में अनुशासन, सुरक्षा के प्रति जागरूकता तथा पुलिस–जन सहयोग की भावना विकसित करना रहा। भ्रमण के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और प्राप्त जानकारी को अत्यंत उपयोगी बताया।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अधिकारियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सदैव नियमों का पालन करने एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का संदेश दिया।

## समनापुर मंडल में एसआईआर को लेकर बैठक संपन्न संगठन सशक्तिकरण व मतदाता पुनरीक्षण पर दिया गया

**डिंडौरी।**

समनापुर मंडल में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय पंकज सिंह तेकाम जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।बैठक में भारतीय जनता पार्टी डिंडोरी के उपाध्यक्ष आदरणीय जय सिंह राजपूत जी, मंडल समनापुर की प्रभारी दीदी सपना जैन , सह प्रभारी पवन शर्मा , मंडल अध्यक्ष शिवराम राजपूत , पूर्व मंडल अध्यक्ष हेम सिंह राजपूत मंडल महामंत्री मानसिंह मरकाम, सभी शक्ति केंद्रों के प्रभारी, सभी बूथ अध्यक्ष एवं बीएलए-2 उपस्थित रहे।अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह तेकाम ने अपने संबोधन में एसआईआर के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए मतदाता सूची को सशक्त व त्रुटिरहित बनाने हेतु कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया।डिंडोरी जिला उपाध्यक्ष जय सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में संगठनात्मक मजबूती एवं मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। मंडल प्रभारी सपना जैन ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठनात्मक कार्यों को पूरी निष्ठा से करने का मार्गदर्शन दिया। सह प्रभारी पवन शर्मा ने भी सभी कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया।मंडल अध्यक्ष शिवराम राजपूत ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने का आग्रह किया। वहीं पूर्व मंडल अध्यक्ष हेम सिंह राजपूत जी ने बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। बैठक में एसआईआर को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा संगठनात्मक कार्यों को गति देने का संकल्प लिया गया।

## प्रधानमंत्री जनधन खाता धारकों व बैंक मित्रों से भेदभाव का आरोप

# बैंक मित्र संगठन के वार्षिक सम्मेलन में उठी आवाज

**डिंडौरी।**

मध्य प्रदेश बैंक मित्र संगठन, जिला डिंडोरी का वार्षिक सम्मेलन 1 अप्रैल 2026 को आयोजित किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री जनधन योजना के खाता धारकों एवं बैंक मित्रों के साथ हो रहे भेदभाव का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि विधायक माननीय ओंकार सिंह मरकाम तथा विशेष अतिथि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के.के. शर्मा (जिला शहडोल) उपस्थित रहे। जिले के विभिन्न बैंकों से जुड़े बैंक मित्र एवं बैंक सखी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए।सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दीनदयाल डेहरिया ने कहा कि सरकार एवं बैंक जनधन खाता धारकों और बैंक मित्रों के साथ लगातार भेदभाव कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में जनधन खातों के व्यापक अभियान में बैंक मित्रों की मेहनत से देश ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान बनाया, लेकिन आज वही बैंक मित्र अपने अधिकारों और उचित पारिश्रमिक के लिए संघर्ष कर रहे हैं।डेहरिया ने आरोप लगाया कि बैंकों के साथ कार्यरत कंपनियां मनमाने ढंग से भुगतान में कटौती कर रही हैं, जिससे बैंक मित्रों की आय में लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जनधन योजना के अंतर्गत खाता धारकों को बैंकों में अक्सर “सर्वर नहीं है”, “कल आइए” अथवा “साहब छुट्टी पर हैं” जैसे बहानों से सेवा से वंचित किया जाता है, जो गरीब एवं जनहितैषी योजना की भावना के विपरीत है।जिला अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि आगामी दो माह के भीतर रिजर्व बैंक एवं संबंधित बैंकों से संतोषजनक समाधान नहीं मिला, तो संगठन द्वारा रिजर्व बैंक के समक्ष बड़े आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

मुख्य अतिथि विधायक ओंकार सिंह मरकाम ने बैंक मित्रों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए उन्हें उचित मंचों पर उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे इस विषय को सदन में रखेंगे तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को पत्र लिखकर बैंक मित्रों के हित में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।सम्मेलन में जिलेभर से लगभग 100 बैंक मित्र शामिल हुए। कार्यक्रम में देवराज कछवाहा, आनंद सिंह, कुंजन, महेंद्र सिंह साहू, कमलेश झरिया, सरोज झरिया, अनिल राय, दिनेश सारीवान, प्रमोद बर्मन, संगीता गवले, जगन्नाथ प्रसाद ठाकुर, प्रवीण वनवासी सहित अनेक बैंक मित्र व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## शहपुरा में मां नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए सेवा का अनूठा उदाहरण

### श्री राम मंदिर समिति व नगरवासियों की सराहनीय पहल

**शहपुरा**

नगर के बाजार चौक स्थित श्री राम मंदिर में मां नर्मदा परिक्रमा वासियों की सेवा का अनुकरणीय कार्य निरंतर जारी है। श्री राम मंदिर समिति एवं नगर के भक्तजनों के सहयोग से प्रतिदिन लगभग 40 से 50 नर्मदा परिक्रमा वासियों को निःशुल्क भोजन प्रसाद उपलब्ध कराया जा रहा है।इसके साथ ही परिक्रमा वासियों की स्वास्थ्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क उपचार एवं दवाइयों का वितरण भी किया जा रहा है। सुबह के समय परिक्रमा वासियों के लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था, ठंड से बचाव हेतु अलाव, तथा स्नान के लिए गर्म पानी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।इस पुनीत सेवा कार्य में समाजसेवी एवं नगर के अनेक नागरिक प्रतिदिन सहयोग प्रदान कर रहे हैं। प्रमुख रूप से पार्षद सुरेन्द्र साहू, प्रमोद तिवारी, अमित साहू, प्रहलाद साहू, दीपक गुप्ता, संजू सोनी, सलभ साहू, प्रतीक तिवारी, निखिल साहू, विकास साहू, गोलू विश्वकर्मा, कैलाश सोनी, दीपक सोनी सहित अन्य सेवाभावी लोग सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।चिकित्सा सेवा में डॉ. रत्नेश द्विवेदी, डॉ. राजीव साहू, डॉ. ईश्वर सिंह ठाकुर, डॉ. प्रभात अवधिया, सर्वेश गुप्ता, डॉ. आनंद गोलदार, सुमित साहू, सागर साहू एवं ओम साहू प्रतिदिन अपनी सेवाएं दे रहे हैं।नगर में चल रही यह सेवा भावना न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समर्पण और मानवीय मूल्यों का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

## आयुष्मान योजना के नाम पर संगठित लूट, वर्षों से बीमार व्यवस्था का फायदा उठा रहे दलाल और बड़े अस्पताल

**डिंडोरी** – गरीबों और आदिवासी समाज के लिए जीवन रेखा कही जाने वाली आयुष्मान भारत योजना डिंडोरी जिले में लूट और दलाली का जरिया बनती जा रही है। ठंड का मौसम आते ही यह गोरखधंधा एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो जाता है। स्थानीय दलालों और बड़े-बड़े निजी अस्पतालों की कथित मिलीभगत से वर्षों से भोले-भाले ग्रामीणों को इलाज के नाम पर ठगा जा रहा है।

### इलाज नहीं, सिर्फ आयुष्मान की वसूली

ग्रामीणों को रहने-खाने और मुफ्त इलाज का लालच देकर बसों में भरकर जबलपुर जैसे बड़े शहरों में ले जाया जाता है। वास्तविकता यह है कि अधिकांश मरीजों को सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी मामूली बीमारियां होती हैं, जिनका इलाज स्थानीय स्तर पर संभव है।अस्पतालों

में न तो मरीजों की सही जांच होती है और न ही कोई गंभीर उपचार। औपचारिक इलाज दिखाकर आयुष्मान कार्ड से लाखों रुपए निकाल लिए जाते हैं। मरीजों को न समुचित दवा मिलती है और न ही सम्मानजनक सुविधाएं।ग्रामीणों का आरोप है कि जैसे ही आयुष्मान कार्ड की तय राशि पूरी हो जाती है, वैसे ही मरीजों को बिना पूरी तरह स्वस्थ किए अस्पताल से बाहर कर दिया जाता है। न आगे के इलाज की व्यवस्था, न फॉलो-अप, न कोई जवाबदेही।

### बस हादसे ने खोली सच्चाई

शहपुरा क्षेत्र राछो घाट के पास हुई बस दुर्घटना ने इस पूरे नेटवर्क की परतें खोल दीं। हादसे में घायल ग्रामीणों ने बताया कि बस में कोई भी गंभीर मरीज नहीं था। सभी सामान्य बीमारी के शिकार थे, जिन्हें जबरन इलाज के नाम पर ले जाया जा रहा था।सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह गोरखधंधा वर्षों से चल रहा है, फिर भी अब तक जिम्मेदार विभाग और प्रशासन आंख मूंदे क्यों बैठे रहे?एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के बयान के बाद अब जिला कलेक्टर ने भी जांच शुरू करने की बात कही है।

हरिभूमि

# नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 5 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

## बरमान मेले तैयारियों का लिया जायजा

# दुकानदार व अन्य लोगों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले मे लगने वाले ऐतिहासिक मेले को लेकर प्रशासन पूरी तरह चैकन्ना बना हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व बचाव के लिए स्थानीय लोगों तथा दुकानदारों को प्रशिक्षण देकर दुर्घटना से बचाव के उपाय से अवगत कराया गया। नर्मदा तट पर लगने वाले आगामी बरमान मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियों को तेज कर दिया है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए इस बार प्रशासन किसी भी तरह की चूक नहीं छोडना चाहता। इसी कड़ी में कलेक्टर के निर्देशानुसार बरमान रेतघाट क्षेत्र में संचालित भोजनालयों, दुकानों और नाव संचालन से जुड़े लोगों को सुरक्षा संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया साथ ही स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।

### आग से बचाव पर विशेष नजर

रेत घाट क्षेत्र में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आग से बचाव को विशेष रूप से केंद्र में रखा गया। भोजनालयों और दुकानों में गैस सिलेंडर, चूल्हे और अन्य ज्वलनशील सामग्री के उपयोग को देखते हुए आग लगने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्लाटून कमांडर होमगार्ड वीरेंद्र सूर्यवंशी, हवलदार अनुदेशक सुन्दर उईकार एवं उनकी टीम ने दुकानदारों को आग के विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी और

बताया कि किस स्थिति में किस तरह की अग्निशमन तकनीक अपनाई जानी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग की जानकारी देते हुए उसकी मैथड को व्यवहारिक रूप से समझाया गया। टीम ने बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सही तकनीक अपनाकर आग पर काबू पाया जा सकता है। इसके साथ ही गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई के तरीकों का भी प्रदर्शन किया गया। जिससे दुकानदार आपात स्थिति में सही निर्णय ले सकें।

### नाविकों को दिए सुरक्षा के निर्देश

इसी क्रम में नर्मदा तट पर नाव संचालन से जुड़े नाविकों को भी सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान जीवन रक्षक जैकेट और लाइफ रिंग का उपयोग अनिवार्य रहेगा। नाविकों को बताया गया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा उनकी पहली जिम्मेदारी है और नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि बरमान मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि आस्था और विश्वास का बड़ा केंद्र है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मेले के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### स्वच्छता बनाए रखने के दिए निर्देश

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में सतधारा घाट ग्राम पंचायत लिंगा मै दुकानदारों से पॉलीथिन जब्ती की कार्यवाही की गई एवं समझाइश दी गई कि भविष्य में पॉलीथिन का उपयोग न करते हुए कागज से बने डिस्पोजल पत्तों से निर्मित दौना पत्तल का ही उपयोग करें उक्त कार्यवाही के बाद प्यारी बेटियों ओर सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ सूरजकुंड घाट पर स्वच्छता अभियान अंतर्गत सफाई की गई एवं घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं,भक्तों से अपील कर निवेदन किया कि घाटों पर गंदगी न फैलाएं एवं स्वच्छता बनाए रखने में सहभागी बने आखिर मै सतधारा ग्राम का निरीक्षण कर पूरे ग्राम में सफाई कराने, सेग्रीगेशन शेड निर्माण, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, सामुदायिक स्वच्छता परिसर , सोकपिट निर्माण कराने हेतु सचिव,ग्राम रोजगार सहायक को निर्देश दिए।

## खबर संक्षेप

### लियांवाला बाग पहुंची यात्रा

**हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।** पंच परिवर्तन के विचार को लेकर कश्मीर से कन्याकुमारी तक साईकिल यात्रा 25 दिसंबर से प्रारंभ करने वाले डॉ. अनंत दुबे एवं उनके साथ चल रहे सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र दुबे एवं जुगल किशोर शर्मा यात्रा के दसवें दिन जलियाबाला बाग पहुंचे। तीनों यात्रियों ने शहीदो को प्रणाम किया जिनके कारण आज हम आजादी की सांस ले रहे हैं। उन सभी को नमन किया। यहां पर विभिन्न संगठन के लोगों से चर्चा की। साथ ही स्वर्ण मंदिर साहब में दर्शन किए। विदित हो कि तीनों करीब 4000 किमी. की साईकिल यात्रा करेंगे। इस संबंध में डॉ. अनंत दुबे ने बताया कि श्रीनगर यात्रा का प्रथम बिन्दु रहा और 25 दिसंबर से लाल चौक से ही यात्रा प्रारंभ हुई।

### कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

**हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।** जिला पंचायत सीईओ पर बरमान रेत घाट पर कथा पूजन करने वाले पं. कैलाश चंद्र मिश्रा पर अभद्रता एवं बृजेश नोरिया ने मारपीट करने और गाली गलौज करने का आरोप लगाया था जिसके खिलाफ जिला कांग्रेस एवं कई संगठनों ने 5 दिन पूर्व धरना एवं ज्ञापन दिया था और कांग्रेस द्वारा चेतावनी दी गई थी कि यदि समय रहते कार्रवाई जिला पंचायत सीईओ पर नही की गई तो कांग्रेस द्वारा आंदोलन किया जाएगा। इसे लेकर आज तक जिला पंचायत सीईओ के खिलाफ कार्यवाही नही होने के कारण 5 जनवरी को सुबह 11 बजे से जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल के नेतृत्व में धरना दिया जाएगा। जिला कांग्रेस की विज्ञप्ति में उक्त जानकारी देते हुए समस्त कांग्रेस जनों से उपस्थित की अपनी की गई है।

### संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ प्रारंभ

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** श्री राधा कृष्ण भगवान की असीम कृपा एवं सदगुरुदेव श्री श्री 1008 श्री सनकादिक जी महाराज चित्रकूट धाम के आशीर्वाद एवं कथा व्यास श्री सुबोधकांत कपिल जी महाराज के द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन गोविन्द सिंह किलेदार के निज निवास, सिद्ध के झिरना, बाईपास रोड में रविवार को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। आयोजनकर्ता गोविन्द सिंह किलेदार ने बताया कि भगवान राधा कृष्ण जी की अमृतमयी कथा श्रवण कर जीवन को सारणर्मित बनाती है। कथा में कार्यक्रम अनुसार 4 जनवरी कलश यात्रा ,वेदी पूजन महात्म्य कथा,5 जनवरी भीष्म स्तुति, परीक्षित जन्म,6 जनवरी सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, 7 श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 8 जनवरी बाल लीला गोवर्धन पूजा, 9 जनवरी रुक्मिणी कृष्ण विवाह उत्सव,10 जनवरी सुदामा चरित्र एवं कथा विश्राम एवं 11 जनवरी को पूर्णाहुति एवं भंडारा होग।

### दो दिवसीय आंतरिक आध्यात्मिक सत्संग संपन्न

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** रामाश्रम सत्संग परिवार मथुरा के तत्वावधान में स्थानीय मानस भवन में आयोजित दो दिवसीय आध्यात्मिक आंतरिक सत्संग समारोह 3 व 4 जनवरी को पूर्ण श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने नामी प्रवचनकर्ताओं प्रदीप और सिंह साहब के सानिध्य में साधना की बारीकियां सीखीं व सत्संग, कीर्तन और गहन ध्यान का रसास्वादन किया।

# विरोध प्रदर्शन कर किया पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

रविवार को युवा कांग्रेस के नेतृत्व मे कांग्रेस द्वारा इंदौर में नगर निगम और प्रदेश सरकार की घोर लापरवाही के कारण गंदा दूषित पानी पीने से 14 से अधिक नागरिकों की मृत्यु एवं 150 से अधिक लोगों के गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती होने की घटना, शासन की असफलता को उजागर करने की इस घटना मामले को लेकर युवा कांग्रेस एवं एन एस यू आई ने सुभाष पार्क चौराहे पर तीव्र विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया। पुतला दहन और विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी, कहा सुनी के बीच कुछ देर तक धक्का मुक्की होती रही। धक्का मुक्की के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर दिया। धक्का मुक्ति के कारण तीन चार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चोटें भी आईं। इस मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि इंदौर नगर निगम और प्रदेश सरकार के भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण लोगों की जान गई। युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव अतुल चैरसिया, जिला एन एस यू आई के अध्यक्ष ईशान राय, एन एस यू आई के समन्वयक अंकुर बटरी ने कहा कि गंभीर मामले में जब मीडिया द्वारा जनहित से जुड़े सवाल पूछे गए, तो केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ और अपनी कमजोरी को छुपाने को प्रमाणित करती है। अफसोस का विषय यह है कि सरकार मौत के आंकड़ों को छुपा रही है। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफे की माँग भी की। उक्त मौके पर ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष धनीराम पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कनछेदी पटेल, विनोद यादव, राजीव राणा, हेमराज ठाकुर, अनूप शुक्ला के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# महिला शिक्षिकाओं, महिला पार्षदों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस महात्मा ज्योतिबा फुले सावित्री बाई फुले जयंती के अवसर पर नगर में महिला शिक्षिकाओं, महिला पार्षदों एवं समाजसेवी संस्थाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महात्मा ज्योतिबा सावित्रीबाई फुले संगठन मोर्चा भारत द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महात्मा ज्योतिबा सावित्रीबाई फुले संगठन मोर्चा भारत के प्रदेश अध्यक्ष भवानी शंकर सैनी (मोनू) ने की। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा मुख्य अतिथि को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसका वाचन मंच से किया गया। ज्ञापन के माध्यम से नगर में माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापना, नगर के एक प्रमुख मार्ग का नामकरण महात्मा ज्योतिबा फुले सावित्री बाई फुले के नाम पर किए जाने तथा माता सावित्री बाई ज्योतिबा फुले के नाम से एक पार्क के नामकरण की प्रमुख मांग रखी गई। मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि नगर पालिका परिषद एवं संबंधित पार्षदों से समन्वय कर शीघ्र ही स्थान चिन्हित किया जाएगा तथा माता सावित्री बाई फुले की प्रतिमा स्थापना हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने इस संबंध में सकारात्मक आश्वासन दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन रोहित जाटव द्वारा किया गया। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत नृत्य, नाटक एवं डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से माता सावित्रीबाई फुले के संघर्ष पूर्ण जीवन, उनके सामाजिक योगदान एवं विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे समाज में शिक्षा, समानता एवं जागरूकता का सशक्त संदेश प्रसारित हुआ। इस अवसर पर सम्मानित महिला प्रतिभागियों एवं अतिथियों में प्रियंका शर्मा, नफीस बानो, प्रेमवती कुशवाहा, ज्योति चैधरी, मधु कोटिया आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण, महिला पार्षद एवं विभिन्न समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## श्री राजयोग आश्रम शंकराचार्य बाल लीलाधाम पहुंचे सांसद प्रतिनिधि

**गोटेगांव** समीपवर्ती बरहटा स्थित सांसद प्रतिनिधि पंडित संतोष दुबे श्री राजयोग आश्रम शंकराचार्य बाल लीला धाम पहुंचे। सर्वप्रथम उन्होंने त्रिलोक सुंदरी श्री मां भगवती सिंहवाहिनी देवी का पूजन अर्चन किया। तत्पश्चात उन्होंने वहीं विराजमान अनंत श्री विभूषित अग्निपीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर श्रीमद् रामकृष्णानंदजी महाराज से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुदेव ने सांसद प्रतिनिधि संतोष दुबेजी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे उनके कार्य में सफलता प्राप्त करें और समाज की सेवा में योगदान दें साथ ही उनके परिवार पर त्रिलोक सुंदरी मां भगवती सिंहवाहिनी मैयाजी का आशीर्वाद सदा बना रहे । इस अवसर पर आश्रम प्रभारी सोमेश्वरानंद ब्रह्मचारी, मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण तिवारी मनीष मिश्रा भूपेंद्र शास्त्रीजी व सहित अन्य श्रद्धालु बंधुओ ने पूजन अर्चन कर गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया।

# अतिथि शिक्षकों ने सांकेतिक धरना देकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले के सरकारी स्कूलों के अतिथि शिक्षकों ने जिला अध्यक्ष व प्रांतीय कर्ता एस. के. सोनी के नेतृत्व में आजाद अतिथि शिक्षक संघ के निर्देश एवं समन्वय समिति संघ के समर्थन पर प्रांत व्यापी आह्वान के अनुसार स्थानीय जनपद मैदान में सांकेतिक अनशन धरना प्रदर्शन किया और अपनी मांगों के बारे में सरकार का ध्यान आकर्षित कराया। सांकेतिक अनशन, धरना - प्रदर्शन के उपरांत अतिथि शिक्षकों द्वारा रैली निकालकर राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम नायब तहसीलदार महेश कुमार वट्टी को ज्ञापन सौंपा। उक्त अवसर पर जिला उपाध्यक्ष वृजेन्द्र नेमा, दीपक कुर्मी, विपिन लांघिया, घनश्याम चैधरी, युवराज पटेल, टीकाराम साहू, प्रदीप कुमार मदारे, विजय नेमा, राजकुमार लोधी, कृष्ण कुमार पटेल, महेंद्र चैधरी इत्यादि अतिथि शिक्षक और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## ठंड ने बताया अपना असर*

## आग तापते नजर आ रहे लोग

तेंदूखेड़ा

इन दिनों उत्तरी वर्फीली हवाओं के चलते ठंड ने अपना प्रभाव बताना शुरू कर दिया है।वर्फीली हवाओं के कारण लोग गर्म कपड़ों और आग का सहारा ले रहे हैं। दिन की शुरुआत भी काफी देरी से हो पा रही है तथा शाम को जल्दी दुकानें बंद हो रही है। जहां तहां लोग दुकानों के सामने आग जलाकर तापते हुये देखे जा रहे हैं।

### 316वें सप्ताह से निरंतर जारी है साप्ताहिक संगीतमय महाआरती

**गोटेगांव** विगत दिवस बकतला स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मे बजरंग सेना नर्मदाखंड महाआरती समिति के तत्वाधान में श्री राममक्त हनुमानजी की महाआरती पं.दीपक तिवारी के आचार्यत्व में पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ बद्री चौकसे द्वारा अपने जन्मोत्सव पर पूजन अर्चन किया गया ! संकट मोचनजी को पोहा जलेबी का भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालु जनों द्वारा सामूहिक रूप से श्री राम स्तुति,श्री हनुमान चालीसा,श्री हनुमानजी की महाआरती का गायन किया गया ! गौरतलब है कि श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर महाआरती समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को संकट मोचनजी की संगीतमय महाआरती विगत 5 वर्षों से भी अधिक समय से एवं 316 वें सप्ताह से निरंतर जारी है साप्ताहिक संगीतमय महाआरती के पश्चात समिति की भजन मंडली के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से भजनों की अनुपम प्रस्तुति की गई जिसमें धर्मेंद्र चौबे सुशील दुबे कमल स्वामी विद्याचरण पाराशर मुकेश सोनी शालिगराम साहू पंकज नोरिया विजेंद्र ठाकुर एवं सहयोगियों के द्वारा महाआरती संपन्न हुई. तत्पश्चात बद्री प्रसाद चौकसे एवं श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव के जन्म दिवस पर समिति के सदस्यों के द्वारा तिलक चंदन बंदन फूलमाला से स्वागत कर हनुमानजी महाराज से उज्जवल भविष्य की कामना की ! इस अवसर पर इनकी रही उपस्थिति बद्री प्रसाद चौकसे नर्मदा प्रसाद गुप्ता रघुनाथ राय दीपक सराठे मयंक शर्मा कन्छेदी पटेल भानु जैन मनोज नामदेव दीपक सोनी टोनी राजपूत अशोक राजपूत कृष्ण कुमार राजपूत नीलेश नामदेव सौरभ खरया मोनु बडिया मुकेश ठाकुर अनुपम चौकसे विनोद साहू मनीष साहू मुकेश चढार विनोद साहू शिवकुमार विश्वकर्मा निहाल अग्रवाल केलाश गुप्ता बसंत दुबे

## मां नर्मदा तट झांसी घाट में हुए कंक्रीट निर्माण घाट पर बने कंक्रीट का हिस्सा धंसने से हो सकता है बड़ा हादसा

गोटेगांव

समीपवर्ती मां नर्मदा के पावन तट झांसी घाट पर कुछ वर्षों पूर्व हुए कंक्रीट घाट निर्माण में गंभीर लापरवाही और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। निर्माण कार्य को अभी अधिक समय भी नहीं बीता है, लेकिन घाट का कंक्रीट हिस्सा अचानक धंसने लगा है। इस धंसाव के कारण नर्मदा तट की अंदरूनी साइड में एक बड़ा और खतरनाक गैप (खाईनुमा जगह) बन गया है, जो पानी के भीतर होने के कारण किसी को दिखाई नहीं देता। प्रतिदिन बड़ी संख्या में यहां स्नान और पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है। आशंका जताई जा रही है कि जलस्तर बढ़ने पर स्नान के दौरान यदि किसी श्रद्धालु का पैर इस गैप में फंसा, तो वह गहरे पानी में समा सकता है, जिससे किसी बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय ग्रामीणों ने इस बदहाली के लिए निर्माण कार्य में प्रयुक्त घटिया सामग्री और ठेकेदार की मनमानी को जिम्मेदार ठहराया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कंक्रीट की गुणवत्ता और सीमेंट की मात्रा मानकों के अनुरूप नहीं थी, जिसके कारण निर्माण चंद सालों में ही जवाब दे गया। यह घाट क्षेत्र ग्राम पंचायत झांसी और गोटेगांव सहित जनपद पंचायत के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय तत्काल घाट का निरीक्षण कर उसकी मरम्मत कराई जाए। साथ ही, दोषी ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उससे ही इस लापरवाही का सुधार कार्य करवाया जाए ताकि नर्मदा आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।